RNI NO. - CHHHIN/2011/38292

13 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

अब 14 वें वर्ष की ओर

पाठकों/दर्शकों का असीम स्नेह

Bharatsamman.com | Bharat samman | Bharat Samman

हो जाओ सावधान

वर्ष-14 अंक-31 | अम्बिकापुर, शनिवार, 11 मई 2024 | कुल पृष्ठ-4 मूल्य-1.00 रू.

पीएम मोदी बोले- साथ आइए, सपने सच होंगे, शरद पवार ने ठुकराया खुला ऑफर

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एनसीपी के संस्थापक शरद पवार और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे को सीधे तौर पर कांग्रेस के साथ जाने की बजाय सत्ताधारी खेमे में आने का ऑफर दिया है। वह आज महाराष्ट्र के नंदुरबार में एक जनसभा में बोल रहे थे। हाल ही में एक इंटरव्यू में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के प्रमुख शरद पवार ने भविष्यवाणी की कि आने वाले समय में कुछ छोटे दल कांग्रेस में विलय कर सकते है। उसी मुद्दे को उठाते हुए पीएम मोदी ने आज सार्वजनिक सभा में पवार और ठाकरे को साथ आने का खुला ऑफर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बीजेपी सांसद हिना गावित के लिए चुनाव प्रचार करने के लिए नंदुरबार आये थे। इस दौरान पीएम मोदी ने शरद पवार और उद्धव ठाकरे को साथ आने का ऑफर

दिया। हालांकि वरिष्ठ नेता पवार ने उस ऑफर को ठुकरा दिया।

पीएम मोदी ने क्या कहा?

शरद पवार पर तंज कसते हुए पीएम मोदी ने कहा, ÷महाराष्ट्र के एक दिग्गज नेता जो 40-50 साल से राजनीति कर रहे हैं, बारामती के चुनाव के बाद उन्होंने एक बयान दिया है। वो इतने हताश और निराश हो गए हैं कि उनको लगता है कि अगर 4 जून के बाद राजनीतिक जीवन में टिके रहना है, तो छोटे-छोटे राजनीतिक दलों को कांग्रेस में विलय कर लेना चाहिए। इसका मतलब है कि नकली एनसीपी और नकली शिवसेना ने कांग्रेस में विलय करने का मन बना लिया है। 4 जून के बाद कांग्रेस में जाकर मरने (समाप्त) के बजाय छाती ठोककर हमारे अजित पवार, एकनाथ शिंदे के साथ आएं। आपके सपने सच होंगे।

शरद पवार ने दिया जवाब

एनसीपी (शरद पवार) प्रमुख ने कहा, मोदी के कारण देश में लोकतंत्र खतरे में पड़ गया है। जिससे देश में लोकतांत्रिक संकट उत्पन्न हो गया। जनमत उनके ख़िलाफ़ है। हम उनके साथ नहीं जायेंगे। हम नेहरू और गांधी की विचारधारा को मानते हैं। इसलिए बीजेपी के साथ जाने का सवाल ही नहीं उठता। शरद पवार ने प्रधानमंत्री की आलोचना करते हुए कहा, ÷दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेल में डाल दियाज इसके पीछे केंद्र सरकार का हाथ है. हम उन लोगों के साथ कभी नहीं जाएंगे जो लोकतंत्र में विश्वास नहीं करते। मोदी का बयान देश की एकता के लिए खतरनाक हैं।

आईडीबीआई बैंक के विनिवेश में देरी पर आरबीआई से बात कर रहा वित्त मंत्रालय

नईदिल्ली। वित्त मंत्रालय ने आईडीबीआई बैंक में दिलचस्पी दिखाने वाले बोलीदाताओं की जांच-परख पूरी करने में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की ओर से 'असामान्य' देर पर चिंता जताई है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने बताया कि लंबी जांच प्रक्रिया के कारण रणनीतिक हिस्सेदारी की बिक्री रुकी हुई है।

वित्तीय बोली लगाने की पात्रता के लिए निवेशकों का आरबीआई द्वारा 'उचित एवं उपयुक्त मूल्यांकन' जरूरी होता है। उक्त अधिकारी ने कहा, 'हमें लगता है कि आरबीआई ने अत्यधिक समय लगाया है। हमने इसे लेकर सवाल उठाया है और इस बारे में उन्हें बताया है। वे प्रक्रिया पूरी करने के लिए कुछ और जानकारी और पूछताछ करना चाह रहे हैं। हम उम्मीद करते हैं कि आरबीआई यह काम तेजी से करेगा

ताकि जांच-पड़ताल शुरू हो सके और उसके बाद वित्तीय बोलियां मंगाई जा सकें।'सरकार ने जनवरी 2023 में बोलीदाताओं का ब्योरा आरबीआई को भेजा था। अधिकारी ने कहा,'देरी होने का एक कारण यह भी रहा कि इस प्रक्रिया में कई इकाइयां- प्राइवेट इक्विटी कंपनियां, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) शामिल हो गई। यानी केवल बैंक ही दावेदार नहीं थे। इस वजह से नियम-शर्तें का भी विस्तार से ब्योरा देना पड़ता है।' आईडीबीआई का प्रस्तावित विलय दो चरणों में विभाजित किया गया है। इनमें पहले चरण में बोली प्रक्रिया में अभिरुचि (ईओआई) आमंत्रित की जाएगी उसके बाद उपयुक्त जांच आदि के बाद सुरक्षा मंजूरी दी जाएगी। दूसरे चरण में संभावित बोलीदाता अपनी तरफ से जांच-परख कर आगे बढ़ेंगे जिसमें दो से तीन महीने लग सकते हैं। इसके बाद वित्तीय बोलियां आमंत्रित की जाएंगी। अधिकारी ने कहा कि अब सरकार को लग रहा है कि चालू वित्त वर्ष के अंत तक बोली प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

वित्त वर्ष 2017 के केंद्रीय बजट में सरकार ने आईडीबीआई बैंक में अपनी हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से कम करने का प्रस्ताव दिया था। इसके बाद अक्टूबर 2022 में सरकार ने अभिरुचि पत्र आमंत्रित करने के लिए प्रारंभिक सूचना ज्ञापन जारी किया था। सरकार सार्वजनिक इकाइयों के जरिये कारोबार में अपनी उपस्थिति कम करना चाहती है। इस लिहाज से आईडीबीआई बैंक में हिस्सेदारी बेचने की पहल निश्चित तौर पर सरकार की सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम नीति के लिए परीक्षा से कम नहीं होगी।

सरकार और एलआईसी आईडीबीआई बैंक में 60.72 प्रतिशत हिस्सा बेचने की तैयारी कर रही हैं। 31 दिसंबर 2023 तक आईडीबीआई बैंक में एलआईसी की 49.24 प्रतिशत हिस्सेदारी है जबकि सरकार हिस्सेदारी 45.48 प्रतिशत थी।

निवेश एवं सार्वजनिक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग को आईडीबीआई बैंक में प्रस्तावित हिस्सेदारी बिक्री और प्रबंधन नियंत्रण के हस्तांतरण के लिए कई इकाइयों ने अपनी दिलचस्पी से अवगत कराया है।

विराट कोहली बने शेयर बाजार के सबसे बड़े खिलाड़ी, इतने दिन में कमाए 9 करोड़ रुपए, अनुष्का को भी करोड़ों का फायदा

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के स्टार खिलाड़ियों को कमाई की जरिया इतना ज्यादा है कि वह कहीं न कहीं इन्वेस्टमेंट करते ही हैं। हालांकि वह इन्वेस्टमेंट कितनी समझदारी से की जाती है वह ज्यादा महत्वपूर्ण होती है। जिस तरह क्रिकेट में टाइमिंग बहुत जरूरी है, वैसे ही शेयर मार्केट में टाइमिंग सबसे महत्वपूर्ण है। किस समय किस शेयर में इनवेस्ट करना है, अगर टाइमिंग सही नहीं रही तो

आपको चूना भी लग सकता है और टाइमिंग अच्छी रही तो आपकी चांदी हो सकती है। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज ने क्रिकेट की पिच से साथ शेयर मार्केट में भी अच्छी टाइमिंग दिखाई है और शेयर मार्केट से भी अच्छा रिटर्न हासिल किया है। विराट कोहली और एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा ने 4 साल पहले बेहतरीन टाइमिंग का इस्तेमाल करते हुए एक कंपनी में निवेश किया और अब यह कंपनी आईपीओ को लेकर आ रही है। खास बात है कि प्रति शेयर जिस भाव पर कंपनी आईपीओ ला रही है। उससे काफी कम कीमत पर विराट और अनुष्का ने इसमें निवेश किया है।

2020 में विराट-अनुष्का ने किया था इन्वेस्ट

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने लगभग चार साल पहले गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस में निवेश किया था और अब बहुत अधिक मुनाफा होने की संभावना है। कंपनी के रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, इस सेलिब्रिटी कपल ने फरवरी 2020 में गो डिजिट में निवेश किया था। विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने फरवरी 2020 में गो डिजिट जनरल इंश्योरेंस के स्टॉक 75 रुपये प्रति शेयर के भाव पर खरीदे थे। विराट कोहली ने 2,66,667 इक्विटी शेयर खरीदे, जिनकी कीमत 2 करोड़ रुपये थी। वहीं अनुष्का शर्मा ने 50 लाख रुपये में 66,667 इक्विटी शेयर खरीदे।

ट्रक से टकराई तेज रफ्तार कार, टक्कर के बाद गाड़ी में लगी आग, एक युवक की मौत

बिलासपुर। बिलासपुर-कोरबा नेशनल हाईवे पर भीषण सड़क हादसा हुआ है. तेज रफ्तार कार खड़े ट्रक से जा टकराई. हादसा इतना जबरदस्त था कि कार के परखच्चे उड़ गए. इस घटना में अंबिकापुर में रहने वाले युवक की मौत हो गई. वहीं कार चालक दोस्त घायल है. घटना रतनपुर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के मुताबिक, अंबिकापुर का रहने वाला अस्कनेज राही सागर मार्केटिंग का काम करता है. गुरुवार की रात वह अपने दोस्त जितेंद्र पाणी के साथ कार में सवार होकर किसी काम से रायपुर जा रहा था. कार सवार दोनों युवक नेशनल हाईवे में रतनपुर के पास पहुंचे थे. इस दौरान उनकी कार की रफ्तार काफी तेज थी, जो सामने सड़क किनारे पोकलेन लोड खड़े ट्रक से जा टकराई. हादसे में कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है. इस घटना के बाद कार के इंजन में आग भी लग गई. जिसे पुलिसकर्मियों ने बुझाया और क्षतिग्रस्त कार को सड़क से किनारे हटवाया. फिलहाल, इस पूरे मामले में पुलिस जांच कर रही है।

लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

चंडीगढ़। अजनाला पुलिस स्टेशन पर हमले के आरोपी एनएसए के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में बंद खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह ने चुनाव लड़ने के लिए जेल से अस्थाई रिहाई के लिए पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट का रुख किया है। अमृतपाल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर कहा कि वह लोकसभा चुनाव लड़ना चाहता

है। चुनाव का नामांकन भरने करने के लिए 7 दिनों की अस्थाई रिहाई दी जाए। अमृतपाल की याचिका पर शुक्रवार को हाईकोर्ट में जस्टिस विनोद एस भारद्वाज सुनवाई करेंगे। बता दें कि, अमृतपाल सिंह को एनएए के तहत डिब्रूगढ़ जेल में रखा गया है। अमृतपाल सिंह पंजाब के श्री खडूर साहिब लोकसभा सीट से एक स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ना चाहता है। इस सीट पर आखिरी चरण में 1 जून को मतदान होना है और नामांकन की आखिरी तारीख 14 मई है। अपनी याचिका में अमृतपाल सिंह ने जेल अधिकारियों को कागजी कार्रवाई पूरी करने के लिए आवश्यक व्यवस्था करने का निर्देश देने की भी मांग की है। जिसमें उनकी तस्वीर खींचना और नया बैंक खाता खोलना शामिल है। खालिस्तानी समर्थक अमृतपाल सिंह को पिछले वर्ष 2023 के अप्रैल के महीने में एनएसए के तहत गिरफ्तार किया गया था।अमृतपाल सिंह ने अपने समर्थकों के साथ 23 फरवरी को पंजाब के अजनाला पुलिस स्टेशन पर हमला किया था।

13 वर्ष निर्भीक पत्रकारिता के

'सत्ता की चाटुकारिता नहीं जनपक्षीय पत्रकारिता'

आमजन, गरीब-मज़लूमों पर होने वाले अत्याचार के विरुद्ध क्रांतिकारी पत्रकारिता का नाम है भारत सम्मान, जब शासन-सत्ता में बैठे ऐसे लोग जो पद-पावर के नशे में चूर होकर करते हैं अपने कर्तव्यपालन में चूक तो भारत सम्मान करता है उन्हें दुरुस्त...

2011 से भारत सम्मान आगे बढ़ रहा है और मिसाल क़ायम कर रहा है ईमानदार पत्रकारिता की..

भारत सम्मान दैनिक समाचार पत्र के साथ-साथ वेबसाईट - www.bharatsamman.com, फेसबुक पेज - Bharat Samman व यू-ट्यूब - Bharat Samman News के माध्यम से जनहित के खबरों को प्राथमिकता देते हैं। हमारा दावा है यदि आप पर जुल्म हुआ है, आप न्याय के लिए कर रहे हैं संघर्ष तो केवल एक ही नाम आपको याद होना चाहिए...

भारत सम्मान

इसी क्रांतिकारी मुहिम से निम्न जगहों पर जुड़ने के लिए सम्पर्क करें

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड, बिहार, बंगाल व देश के सभी राज्यों में ब्यूरो व संवाददाता बनने संपर्क कर सकते हैं।

इन पदों में होंगे नियुक्त...

1 - राज्य ब्यूरो प्रमुख
2 - राज्य अपराध ब्यूरो प्रमुख
3 - जिला ब्यूरो प्रमुख
4 - जिला अपराध ब्यूरो प्रमुख
5 - तहसील संवाददाता
6 - तहसील अपराध संवाददाता

अपना फोटो लगा बायोडाटा हमारी ई-मेल आईडी bharatsammannews@gmail.com या व्हाट्सएप No. 09303890212 पर भेजे।

नोट

1. केवल ईमानदार लोग ही संपर्क करें, पत्रकारिता के नाम पर वसूली करने अथवा ब्लैकमेल करने वालों से हमारा कोई वास्ता नहीं
2. यहां नौकरी नहीं दी जाती है, यदि हमारे संस्था के नाम का गलत इस्तेमाल करता है, तो हमारे द्वारा जारी नंबर पर शिकायत जरूर करें।

प्रसार/प्रबंध
सम्पादक
भारत सम्मान न्यूज नेटवर्क
094242 62547
09303890212

संपादकीय

पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए

यूं तो सोशल मीडिया पर सचेत करते हुए कई वीडियो और दावे सामने आते रहते हैं, लेकिन कितने सच होते हैं, यह सामान्यतया कोई भी नहीं कह सकता। हालांकि कभी-कभी कोई ऐसा वीडियो सामने आ जाता है जो विचलित कर देता है और अक्सर लोग सच्चाई जाने बिना ही भरोसा कर बैठते हैं। ऐसा ही एक वीडियो बीते दिनों बहुत तेजी से वायरल हुआ जिसमें हरी टी शर्ट पहना एक छोटा बच्चा जो कि किसी मेले में दिख रहा है। एक दूकानदार से गिलास में कुछ लेता है जिसमें बहुत तेज सफेद और गाढ़ा धुआं निकलता है। बच्चा उसे पीता है और तुरंत पेट पकड़कर चीखने-चिल्लाने लगता है। बच्चे को तुरंत चिकित्सकीय मदद पहुंचाई गई। बहरहाल, वीडियो की सत्यता=असत्यता से परे हटकर सोचें तो अगर वाकई में ऐसा है तो हम सभी को गंभीरता से इस बारे में सोचने की जरूरत है। वीडियो में दिख भी रहा है कि उस पर स्मोक बिस्किट लिखा है। आजकल ऐसे पदार्थ खाने को सजावटी आकार देने के साथ बच्चों में आकर्षण बढ़ाने के लिए बनाना आम हो गया है, जिनमें ड्राई आइस या लिक्विड नाइट्रोजन का अनुपातहीन उपयोग आम सा हो गया है। भारत में इसका तेजी से पार्टियों या पिकनिक, मेलों में चलन बढ़ रहा है। वास्तविकता यह है कि बच्चा दावणगेरे में परिजनों के साथ एक प्रदर्शनी में गया था और उसने वहां पर एक स्टॉल से स्मोक बिस्किट लिया और उपयोग करते ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। सुकून की बात है कि वीडियो के जरिए फैलाई जा रही मौत की बातें अफवाह निकली, लेकिन इस वीडियो ने कई सवाल जरूर पैदा कर दिए। क्या आम दावतों, पार्टियों, चौपाटियों या चाट, पकौड़े, आईसक्रीम या ठण्डाई के नाम पर बिना किसी स्वीकृति के कुछ भी उपयोग की इजाजत है? और क्या भारत में कहीं भी कोई अपनी मनमर्जी से स्वाद या आकर्षण बढ़ाने के लिए किसी भी प्रतिबंधित, घातक या अनुपातहीनमात्रा में मसाले, रसायन खाने में उपयोग कर सकते हैं? इस पर लोग कितना जागरूक हैं? स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह ऐसी चीजों के इस्तेमाल का क्या कोई तय पैमाना है और है तो इसका कैसे हो? सबको पता है कि पूरे देश में चाहे गांव, कस्बा, महानगर हर कहीं बाजार में तैयार खाने का चलन बहुत तेजी से बढ़ा है। देश में रेस्टॉरेन्ट, होटल और ढाबों में लोगों के शौकिया आना-जाना भी खूब बढ़ा है। आउटिंग या बाहर खाने के चलन ने ऑनलाइन फुड को एक नई इंडस्ट्री की शक्ल दे दी, लेकिन सवाल यही कि आखिर बाजार में बिकने वाला रेडीमेड खाना स्वास्थ्य के लिहाज कितना मुफीद है? क्या इस तरह के खाना बनाने वाले ठिकानों और सप्लाई के लिए पहुंचाने के दौरान बनाने और खाने वालों के बीच खाने की गुणवत्ता में बदलाव या स्तरहीनता को परखने का कोई तंत्र है? शायद नहीं और हो भी तो लोगों ने कभी बीच सड़क खाने की जांच होते या सैम्पलिंग देखी नहीं। ऐसे सवाल उठने वाजिब हैं। सड़कों के किनारे ढाबे हों या बीच शहर के होटल या स्ट्रीट फूड की जगहें। कभी यहां नियमित जांच होती हैं या हुई लोगों को ध्यान नहीं आता। निश्चित रूप से ऐसी निगरानी उस क्षेत्र के जिला प्रशासन के अधीन होती हैं, लेकिन सवाल वही कि इस पर अमल कैसा होता है? जिस तेजी से बाहर खाने का चलन बढ़ रहा है और तैयार खाने का ऑनलाइन कारोबार बढ़ रहा है जो उद्योग की शक्ल अख्तियार कर रहा है।

तमाम तरह के टैक्स के दायरे में भी आता है परन्तु गुणवत्ता को लेकर किस तरह के निर्देश हैं या अमल करना है इस पर आम लोगों को कुछ पता नहीं होता। समय के साथ अब इस बात पर भी सख्त कानून बने और पालन में भी कठोरता की जाए ताकि रेडीमेड फूड उद्योग भी एक पारदर्शी निगरानी व्यवस्था के दायरे में आए। बना बनाया या बनाकर खाने के बेचने या पैक कर घर-घर पहुंचाने का रिटेल या थोक कारोबार हो या स्ट्रीट वेन्डर से लेकर पांच सितारा होटलें इनकी गुणवत्ता की जांच के लिए हर कहीं सूचना पटल हों। महानगरों, शहरों और दूकानों में बड़े-बड़े होर्डिंग, बैनर या पोस्टर अनिवार्य हों, जिनसे लोगों की इस बारे में जागरूकता बढ़े। हर दुकानदार, खाने की सामग्री बेचने वाले ठिकानों पर उस क्षेत्र के स्थानीय नियंत्रणकर्ता एजेंसी की जानकारी तथा संपर्क सूची भी लगाई जाए जहां पर गुणवत्ता में दोष की शिकायत की जा सके।

इतना ही नहीं विशेष परिस्थितियों में खाने के सैंपल को जांचने के लिए स्थानीय सरकारी विभाग भी तत्पर रहे। अब तक ऐसे गंभीर मामले या तो पुलिस के पास पहुंचते हैं या फिर हीला-हवाली में ही अपराध के बावजूद अनदेखे रह जाते हैं। खाने में कीड़े, कॉकरोच मिलने या खाकर बीमार पड़ने की शिकायतें तो सामने आती हैं, लेकिन कभी कोई कार्रवाई हुई हो ज्यादातर पता नहीं चल पाता। जिस तेजी से बने बनाए खाने के चलन के साथ बाहर खाने का रिवाज बढ़ रहा है उससे इस कारोबार पर भी बहुत कड़ी निगाह रखे जाने की जाने की जरूरत है। इसके लिए ऐसे कानून की जरूरत है जो देशव्यापी हो और सबको पता हो ताकि लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ के मामले बढ़ने से पहले ही नियंतण्रमें रहें और जनस्वास्थ्य को बड़ी चुनौती का बेखौफ रिवाज जैसा चलन भी न पनप पाए।

भगवान परशुराम के जयकारे से गुंजित हुआ शहर

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर विप्र समाज ने निकाली भव्य शोभायात्रा, जगह-जगह हुआ स्वागत

रायगढ़। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर शुक्रवार की शाम पूरा शहर जय जय परशुराम से गुंजायमान रहा। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव पर विप्र समाज ने भव्य शोभयात्रा निकाली, जो हंडी चैक स्थित परशुराम मंदिर से निकलकर शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया। इस दौरान चैक-चैराहों पर शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। शोभायात्रा में शामिल समाज के लोगों के लिए जगह-जगह शरबत व ठंडे पेय पदार्थों की व्यवस्था की गई थी।

वैशाख शुक्ल पक्ष की तृतीया को भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया जाता है। इसके लिए विप्र समाज ने काफी पहले से ही तैयारी शुरू कर दी थी।

भगवान परशुराम के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बाल मंदिर में समाज के लोगों को विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे थे। शुक्रवार को भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर ब्राह्मण सेवा समिति द्वारा विप्र फाउंडेशन के सहयोग से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। हंडी चैक स्थित भगवान परशुराम मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद शोभायात्रा प्रारंभ हुई, बाजे-गाजे, कर्मा नर्तक दल व आकर्षक झांकी के साथ निकली शोभायात्रा हंडी चैक से कोतवाली थाना होते हुए गद्दी चैक, पैलेस रोड, चांदनी चैक, सोनारपारा, गांजा चैक होते हुए पुनरू मंदिर परिसर पहुंची। इस दौरान समाज के हर वर्ग के लोग शामिल हुए। पुरुष, महिला, बुजुर्ग, बच्चों में काफी उत्साह दिख रहा है। जिस मार्ग से भी शोभायात्रा गुजर रही थी, जय जय परशुराम के जयघोष से गुंजायमान हो जा रहा था। शोभायात्रा में शामिल लोगों के लिए चैक-चैराहों पर विशेष व्यवस्था की गई थी। लोगों ने भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना की और श्रद्धालुओं को ठंडा पानी, शरबत पिलाया गया। शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण कर पुनरू मंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हुई। यहां भगवान परशुराम की महाआरती की गई। उसके बाद विप्र भोज हुआ, जहां समाज के लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया।

बग्घी पर विराजे भगवान परशुराम

शोभायात्रा के आगे-आगे एक वाहन को आकर्षक ढंग से सजाकर भगवान परशुराम को विराजमान किया गया था। बग्घी पर परशुराम की जीवंत झांकी सजाई गई थी। उसके पीछे-पीछे समाज की महिलाएं, बच्चे , युवा व बुजुर्ग डीजे की धुन पर थिरकते हुए चल रहे थे। आगे-आगे कर्मा नर्तक दल भी चल रहा था। झांझ-मंजीरे की ताल पर सभी थिरक रहे थे। भगवान परशुराम के जन्मोत्सव की खुशी हर चेहरे पर झलक रही थी।

पुलिस की रही चाक-चैबंद व्यवस्था

भगवान परशुराम जन्मोत्सव पर निकली भव्य शोभायात्रा के दौरान पुलिस की चैक-चैबंद व्यवस्था रही। शोभायात्रा के दौरान यातायात को व्यवस्थित करने में पुलिस जवान लगे रहे। जिस मार्ग से शोभायात्रा गुजर रही थी, उस दौरान उन मार्गों से ट्रैफिक डायवर्ट भी किया गया, जिसके कारण वाहन चालकों को अन्य वैकल्पिक मार्ग से आना-जाना पड़ा। पैलेस रोड से कोष्टापारा, शहीद चैक मार्ग पर शाम के समय यातायात का दबाव अधिक पड़ा, जिसके कारण इस मार्ग पर थोड़ी-थोड़ी देर में जाम की स्थिति रही।

स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस विरोध करेगी: दीपक बैज

छत्तीसगढ़ के साधु-संतों का अपमान कर रही है भाजपा

पीएमश्री स्कूल बनाना है तो नए स्कूल खोल लें बीजेपी

रायपुर। स्वामी आत्मानंद स्कूलों का नाम बदले जाने का कांग्रेस हर स्तर पर विरोध करेगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद जी छत्तीसगढ़ में जन्में एक विद्वान संत और विश्वविख्यात आध्यात्मिक व्यक्तित्व थे और इसीलिए कांग्रेस की सरकार ने इस योजना का नाम उनके नाम पर रखा था। अब भारतीय जनता पार्टी की सरकार उनके नाम को हटाना चाहती है। शासन की ओर से 'स्वामी आत्मानंद स्कूल योजना' का नाम बदलकर 'पीएमश्री' करने का आदेश जारी किया गया है, इसके लिए सभी जनप्रतिनिधियों की सहमति लेने की कोशिश हो रही है। कांग्रेस पार्टी की ओर से हम सभी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से अपील करते हैं कि सरकार की ओर से इस तरह का कोई प्रस्ताव आता है तो इसका लिखित और मुखर विरोध करना चाहिए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद छत्तीसगढ़ की धरोहर थे। भाजपा सरकार उनके नाम को सिर्फ इसलिये बदलना चाहती है कि उनके नामों को पूर्ववर्ती कांग्रेस की सरकार ने शुरू किया था। छत्तीसगढ़ के एक विश्वविख्यात संत और आध्यात्मिक व्यक्ति के नाम पर चल रही योजना का नाम बदलने से पता चलता है कि अब भाजपा को संतों और धार्मिक व्यक्तियों से भी दिक्कत होने लगी है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद छत्तीसगढ़ की विभूति है, उनके नाम से जो स्कूल चालू किया गया था यह स्कूल एक महत्वकांक्षी योजना के तहत शुरू किया गया था। गरीबों के बच्चों को मुफ्त अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा दी गयी और उसके सार्थक परिणाम भी सामने आये। 10 वी और 12 वी में 75 फीसदी से अधिक बच्चे प्रवीण्य सूची में आये। ऐसे में स्कूल का नाम दलीय दुर्भावना से बदला जाना दुर्भाग्यजनक है। भारतीय जनता पार्टी के इन स्कूलों के सामने पीएम श्री लगायेगी। प्रधानमंत्री का या केन्द्र सरकार का इन स्कूलों के स्थापना में क्या योगदान है? पिछले 5 महीनों से इन स्कूलों के शिक्षकों को वेतन क्यों नही दिया जा रहा है सीधे-सीधे इन स्कूलों को बंद करने की साजिश भारतीय जनता पार्टी कर रही है। यह छत्तीसगढ़ के गरीब, मध्यम बच्चों के साथ अन्याय है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद के तहत लगभग 700 स्कूल है। उन स्कूलों पर स्ट्रक्चर डेवलपमेंट किया जा चुका है। स्कूलों में अच्छे शिक्षकों की नियुक्ति की जा चुकी है। स्कूलों में बच्चो की भर्ती शुरू हो चुकी है। परीक्षा परिणाम बेहतर आ रहे है। पीएमश्री के माध्यम से कुछ नया करता चाहते है, कुछ नया जोड़ना चाहते है तो नये स्कूलों का चयन करना चाहिये। स्वामी आत्मानंद स्कूलों को ही टारगेट किया जाना सरकार की बदनीयती को दर्शाता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि स्वामी आत्मानंद आरंभ से ही मेधावी छात्र रहे और नागपुर विश्वविद्यालय में गणित में एमएससी प्रवीणता के साथ पास की थी। उनकी जीवनी में लिखा है कि वे आईएएस (तत्कालीन आईसीएस) के लिए चयनित हो गए थे पर जनसेवा के लिए उन्होंने संन्यास का रास्ता चुना। उनके ज्ञान की वजह से दुनिया भर में उन्हें प्रवचन देने के लिए बुलाया जाता था। छत्तीसगढ़ में हमेशा उन्हें गौरव के रूप से देखा जाता रहा है। इसीलिए जब वंचित वर्ग के बच्चों के लिए कांग्रेस की सरकार ने अंग्रेज़ी माध्यम के स्कूल खोलने का निर्णय लिया तो योजना को स्वामी आत्मानंद जी के नाम पर रखने का फ़ैसला किया गया। अगर भाजपा की सरकार सिर्फ़ इसलिए स्वामी आत्मानंद योजना का नाम बदलना चाहती है क्योंकि यह कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में शुरु हुई योजना है तो यह एक आध्यात्मिक विद्वान व्यक्तित्व के बारे में भाजपा के नेताओं की सोच को दर्शाता है।

बिरहोर के भाई' जागेश्वर यादव को मिला पद्मश्री, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया गौरव का क्षण

रायपुर। छत्तीसगढ़ के विशेष पिछड़ी जनजातियों के उत्थान के लिए काम करने वाले जागेश्वर यादव को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा पद्मश्री सम्मान से अलंकृत किया गया. मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरव का क्षण बताया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ङ्क पर अपने पोस्ट में 'बिरहोर के भाई' जागेश्वर यादव को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए आदिवासी उत्थान के लिए उनकी प्रतिबद्ध को प्रेरणादायक और अनुकरणीय बताया है.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जशपुर के जागेश्वर यादव को दिया पद्मश्री पुरस्कार

जशपुर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दिल्ली में जशपुर के जागेश्वर यादव को पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया है. जागेश्वर बिरहोर समाज के लिए दशकों से काम कर रहे हैं. वे जशपुर के पहले व्यक्ति हैं, जिन्हें पद्मश्री पुरस्कार मिला है। जशपुर के जागेश्वर यादव की प्रसिद्धि बिरहोर के भाई के रूप में है. आदिवासी कल्याण कार्यकर्ता यादव ने अपना पूरा जीवन बिरहोर और पहाड़ी कोरवा जनजाति के उत्थान के लिए समर्पित कर दिया. उन्होंने जशपुर में आश्रम की स्थापना की और निरक्षरता उन्मूलन और स्वास्थ्य सेवा के मानकों को बेहतर बनाने का काम किया है.

RNI No. CHHHIN/2011/38292
भारत सम्मान NEWS
अम्बिकापुर, शनिवार, 11 मई 2024

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पूर्व सीएम पर साधा निशानाः कहा- भूपेश नहीं चाहते थे कि केंद्र की योजनाओं का लाभ प्रदेश की जनता को मिले

रायपुर। मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीनों चरणों के मतदान पूरे होने के एक बार फिर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पर जमकर निशाना साधा है। सीएम साय ने पूर्व सीएम पर आरोप लगाते हुए कहा कि, मोदी जी की सरकार कभी किसी से भेदभाव नहीं करती है। पिछली कांग्रेस सरकार के साथ भी कोई भेदभाव नहीं था। लेकिन यहां की सरकार, स्वयं भूपेश बघेल भी नहीं चाहते थे कि केंद्र की योजनाओं का लाभ छत्तीसगढ़ की जनता को मिले। उनकी सोच थी कि, इसका श्रेय भाजपा और मोदी जी को चला जाएगा।

गरीबों को योजनाओं का नहीं मिला लाभ

सीएम साय ने कहा कि पिछले 5 वर्षों में 18 लाख गरीब परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित हो गए। यही हाल राष्ट्रीय राजमार्ग एवं आयुष्मान योजना का रहा। इन योजनाओं को पूर्व सरकार ठीक से लागू नहीं कर पाई इसलिए उन्हें सरकार से हाथ धोना पड़ा।

अटल जी ने 23 पार्टियों के साथ मिलकर चलाई सरकार

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने एक इंटरव्यू में पूर्व प्रधान मंत्री अटल बिहारी बाजपेयी और पीएम मोदी के साथ अपने काम के अनुभव को साझा करते हुए कहा था कि, मेरा सौभाग्य है कि जब अटल जी प्रधानमंत्री थे, तब मैं पार्लियामेंट में था। उसी समय उन्होंने 1 नवंबर वर्ष 2000 को छत्तीसगढ़ को एक नए प्रदेश के रूप में पहचान दी। अटल जी की भाषा शैली को विपक्ष के लोग भी उत्साह से सुनते थे। कुशल समन्वयक थे, सबको साथ लेकर चलते थे। 23 पार्टियों के साथ मिलकर उन्होंने सरकार चलाई।

गरीब-किसान वर्ग के लिए कई काम किए

सीएम साय ने आगे बताया कि, अटल जी ने किसानों के हित में कई कार्य किए। जो किसान पहले ज्यादा ब्याज दरों पर कर्ज के बोझ तले परेशान थे उन्हें किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कम ब्याज में कर्ज देने का काम अटल सरकार ने किया। फसल बीमा जिसका पहले केवल नाम सुनते थे उसको सरल बनाया, जिसका फायदा भी किसानों को मिला।

पीएम मोदी के 10 साल

सीएम साय ने कहा कि मोदी जी के दस वर्षों के कार्यकाल में हुए विकास कार्य ङ्क हर घर बिजली-पानी, फ्री राशन, गैस सिलेंडर, बैंक अकाउंट खुलवाना, शौचालय निर्माण सहित करोड़ों लोगों की भावना से जुड़े भगवान राम मंदिर का निर्माण और दो निशान, दो प्रधान, दो विधान नहीं चलेगा की तर्ज पर धारा 370 हटाना जैसी अनेक उपलब्धियां लोगों के बीच लेकर जा रहे हैं।

पूर्व सरकारों में होता था भ्रष्टाचार

सीएम साय ने कहा कि, पूर्व की सरकारों में विकास का पैसा भ्रष्टाचार एवं कमीशनखोरी की बलि चढ़ जाता था। स्व. राजीव गांधी खुद कहा करते थे कि वो दिल्ली से 1 रुपए भेजते हैं लेकिन लोगों तक केवल 15 पैसा ही पहुंचता है। मोदी जी ने गरीबों के लिए बहुत से काम किए हैं साथ ही पूरे विश्व में उनका मान-सम्मान भी बढ़ाया है।

मोदी की गारंटी पर कार्य

सीएम ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भी जबसे हमारी सरकार बनी है, मोदी की गारंटी पर रॉकेट की गति से सांय-सांय काम हो रहे हैं। जिसे जनता समझ रही है। यही कारण है कि छत्तीसगढ़ की सभी सीटों पर हम चुनाव जीतने जा रहे हैं। ये चुनाव परिणाम कांग्रेस के लिए सबक होंगे।

छत्तीसगढ़ सहित दूसरे राज्यों में भाजपा मजबूत

दूसरे प्रदेशों में लगातार सभाओं के प्रश्न पर मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश, तेलंगाना, झारखंड, उड़ीसा में प्रचार करने जा रहा हूं। जहां पूरा वातावरण भाजपा के पक्ष में हैं और '400 पार' का हमारा संकल्प साकार होता दिखाई दे रहा है।

3 करोड़ जनता के भरोसे पर उतरना है खरा

सीएम साय ने बताया कि, पहले उन्होंने विधायक, सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में काम किया उस समय जिम्मेदारी भी छोटी थी। लेकिन अब एक प्रदेश के मुखिया होने के नाते उनका कार्य क्षेत्र बढ़ा है और जिम्मेदारी भी। जिससे समय और दिनचर्या में परिवर्तन करना जरूरी है। ताकि लोगों के विश्वास पर खरा उतर सकें। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता ने मोदी जी और भारतीय जनता पार्टी पर बहुत विश्वास किया है। हम लोगों का भी पूरा प्रयास है कि, हम जनता की उम्मीदों पर खरा उतरें। छत्तीसगढ़ की जनता की खुशहाली के लिए जितनी भी मेहनत की जाए वो कम है। इसलिए वो वक्त देख कर नहीं जनता को देख कर पूरी ऊर्जा से काम कर रहे हैं।

पार्टी के आदेश सर्वोपरि

केंद्र या राज्य की राजनीति में पसंद के सवाल पर विष्णु देव साय ने कहा कि पार्टी का आदेश मेरे लिए सर्वोपरि है। जहां भी काम करने का आदेश आएगा वहां काम करेंगे। मुझे यहां तक पहुंचाने वाली भी भारतीय जनता पार्टी है। वहीं अपने पसंदीदा खाने के सवाल पर श्री साय ने कहा कि कुछ स्पेशल मुझे पसंद नहीं है, जो मिल जाए दाल- चावल, सब्जी रोटी, मैं वो खा लेता हूं। हमारी धर्मपत्नी अपने घर में रहती है, वो हमारा परिवार संभालती है और हम यहां रायपुर में। पहले भी जब हम सांसद थे तो अधिकतर समय दिल्ली में ही रहना होता था या लोगों के बीच में, जिससे खाना बाहर ही खा लेते थे। इस कारण पत्नी के हाथों से बना खाना बहुत ही कम खाने को मिलता है।

क्या होगा छत्तीसगढ़ का अगला मुकाम

मुख्यमंत्री साय ने उम्मीद जताई कि, मोदी जी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर डबल इंजन की उनकी सरकार छत्तीसगढ़ को उस मुकाम पर पहुंचाने में कामयाब होगी जिसका छत्तीसगढ़ असल हकदार है।

आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

बिलासपुर। आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से एक बार फिर से बड़ी राहत मिली है. हाईकोर्ट ने जीपी सिंह के खिलाफ दर्ज राजद्रोह के केस पर रोक लगा दी है. बता दें कि 1994 बैच के आईपीएस जीपी सिंह के खिलाफ पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार ने राजद्रोह का मामला दर्ज किया था. मामले में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने केस की प्रोसिडिंग पर रोक लगा दी है। इससे पहले बीते 2 मई को आईपीएस जीपी सिंह को हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली थी. हाईकोर्ट की डबल बेंच ने उनके खिलाफ सुपेला थाने में दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी. जीपी सिंह ने इस एफआईआर को समाप्त करने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी।

अल्पसंख्यकों की आबादी पर ईएसी-पीएम की रिपोर्ट पर डिप्टी सीएम विजय शर्मा का बड़ा बयान

कहा- हिंदुओं की संख्या कम होने से आएगी देश में अराजकता

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की ओर से अल्पसंख्यकों की आबादी पर जारी रिपोर्ट पर कहा कि हिंदू की सहिष्णुता के कारण ही अल्पसंख्यक समुदाय फल-फूल रहा है, हमें इसकी खुशी भी है. लेकिन हिंदुओं की संख्या कम हो जाए, यह भी चिंता का विषय है, क्योंकि हिंदुओं की संख्या कम होने से देश में अराजकता आएगी।

छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री और गृह मंत्री विजय शर्मा ने देश व प्रदेश की जनसांख्यिकी (डेमोग्राफी) में आ रहे बदलाव पर कहा कि डेमोग्राफी का चेंज होना भारत की एकता के लिए बहुत बड़ा खतरा है. उन्होंने कहा कि सामान्यतः

जनसंख्या में ऐसी बढ़ोतरी नहीं होती, इसलिए इसमें कितनी संख्या में घुसपैठिए हैं, इस पर भी विचार किया जाना बहुत आवश्यक है. इसको स्पष्ट करना होगा कि किन-किन क्षेत्रों में ऐसा हो रहा है?

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि डेमोग्राफी का चेंज होना किसी भी स्थान के लिए बहुत बड़ा खतरा होता है. हिंदुओं की सहिष्णुता आदिकाल से पूरी दुनिया के सामने ही स्थापित है. हिंदू की सहिष्णुता के कारण ही यहाँ पर सारा अल्पसंख्यक समुदाय फल-फूल रहा है और हमें इसकी खुशी भी है, लेकिन हिंदुओं की संख्या कम हो जाए, यह भी चिंता का विषय है. हिंदुओं की संख्या कम होने से देश में अराजकता आएगी। विजय शर्मा ने कहा कि हिंदुओं की संख्या जिस अनुपात में 7.8 प्रतिशत घटी हुई बताई जा रही है तो यह विचारणीय है कि कितने करोड़ों में यह संख्या आएगी और जो जनसंख्या बढ़ी है, वह लगभग 50 प्रतिशत तक बढ़ी है. तो यह कितनी बड़ी बात है! इतनी जनसंख्या सामान्यतया नहीं बढ़ सकती. इस विषय की गंभीरता को सभी को समझना होगा, अन्यथा भारत ऐसे ही विभाजन के दंश झेल चुका है. डेमोग्राफी का यह बदलाव भारत के लिए बहुत बड़ा खतरा है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई सामान्य प्रक्रिया में इतनी जनसंख्या इतनी जल्दी नहीं बढ़ सकती है. इसमें बहुत सारी चीजें हैं जो जिम्मेदार हैं. इसलिए यह कहना बेमानी है कि चुनाव के समय ऐसा क्यों बोला जा रहा है? इस विषय पर चुनाव के समय क्यों नहीं बोलना चाहिए? कोई भी विषय हो, चुनाव के समय बोलना है या नहीं बोलना है, ऐसा नहीं होता है. जो आवश्यक है, वह बोला जाए और इसमें कोई संशय नहीं है।

लोकसभा चुनाव ड्यूटी के दौरान अजय वर्मा का निधन, निगम आयुक्त ने परिजन को सौंपा 15 लाख का चेक

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन 2024 की ड्यूटी में लगे अजय वर्मा का 06 मई को निधन होने के तुरंत बाद ही चुनाव के 48 घंटे के भीतर उनके परिजन को 15 लाख रुपए का अनुग्रह प्रतिकर राशि जारी की गई। आज कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के निर्देश पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा और उप जिला निर्वाचन अधिकारी उमाशंकर बंदे स्वर्गीय अजय वर्मा के डंगनिया स्थित निवास पहुंचे और उनकी पत्नी नीलू वर्मा को 15 लाख रुपए का चेक सौंपा. स्वर्गीय अजय वर्मा नगर निगम के जनसंपर्क शाखा में कार्यरत थे।

चोरी के गहनों को बेचकर मिली रकम चोर ने दोस्तों के साथ मिलकर गोवा में उड़ाई

जगदलपुर। कहते हैं शौक बड़ी चीज है. ऐसा ही मामला बस्तर में सामने आया है, जिसमें चोरी को गहनों को बेचने से मिली रकम से अपने साथ दोस्तों को गोवा घुमाने के लिए ले गया, जहां अय्याशी में जमकर पैसे खर्च किए।

नगरनार इलाके में हुई चोरियों का खुलासा करते हुए एसपी शलभ सिन्हा ने बताया कि पुलिस ने आरोपी कृष्णा शेट्टी एवं संदीप सेठिया के कब्जे से 10 लाख रुपए मूल्य का कुल 143 ग्राम सोने के आभूषण बरामद किया है. कृष्णा महाराष्ट्र में रहने वाले अपने रिश्तेदार के साथ मिलकर चोरी की घटना को अंजाम देता था. दोनों ने मिलकर नगरनार इलाके में दो स्थानों पर चोरी की वारदात को अंजाम दिया था. घटना के बाद दोनों फरार थे, जिनकी पुलिस तलाश में जुटी हुई थी। इसी बीच कृष्णा के दंतेवाड़ा में होने की सूचना पर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ की गई, तो उसने चोरी की घटनाओं में शामिल होना

कबूल किया. उसने बताया कि चोरी की वारदात के बाद उसने सोने-चांदी के जेवरात संदीप सेठिया को बेच दिया है. इसके बाद कृष्णा की निशानदेही पर संदीप को हिरासत में लेकर बताये स्थानों से सोना बरामद किया. आरोपी कृष्णा शेट्टी ने सोने के गहनों को बेचकर मिली रकम से वह अपने दोस्तों को गोवा घुमाने ले गया था, जहां उसने एक बड़ी रकम खर्च की है. चोरी को साथ में अंजाम देने वाले आरोपी के महाराष्ट्र वाले रिश्तेदार की पुलिस तलाश में जुटी है.

RNI No. CHHHIN/2011/38292

भारत सम्मान NEWS

अम्बिकापुर, शनिवार, 11 मई 2024

बीजापुर में पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में 12 नक्सली ढेर

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा बोले- 'बंदूक की नली से स्कूल और अस्पताल नहीं बन सकते, हम बातचीत के लिए है तैयार'

पीडिया के जंगलों में सुबह से जारी थी मुठभेड़

बीजापुर। गंगालूर थाना क्षेत्र स्थित पीडिया के जंगलों में 11 घंटों से जारी मुठभेड़ में पुलिस ने एक दर्जन नक्सलियों को ढेर कर दिया है. घटनास्थल से नक्सलियों के शव और हथियार बरामद किए गए हैं. सीएम विष्णु देव साय ने पुष्टि करते हुए बताया कि नक्सलियों और जवानों के बीच जारी मुठभेड़ समाप्त हो गई है. मुठभेड़ में मारे गए 12 नक्सलियों के शव बरामद हुए है. एंटी नक्सल ऑपरेशन पर बीजापुर, दंतेवाड़ा और सुकमा से डीआजी, एसटीएफ, कोबरा और सीआरपीएफ के करीब 1200 जवान निकले हैं. बड़े नक्सल लीडर्स की मौजूदगी की सूचना पर ऑपरेशन लॉन्च किया गया था. गंगालूर थाना क्षेत्र के पीडिया के जंगलों में 11 घंटों से मुठभेड़ जारी है. एनकाउंटर पर बस्तर आईजी, डीआईजी समेत तीन जिलों के एसपी नजर जमाए हुए हैं.

रायपुर। बीजापुर जिले में पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान 12 नक्सलियों को मार गिराया है. इसे लेकर डिप्टी सीएम विजय शर्मा का बयान आया है. उन्होंने नक्सलियों के मारे जाने की पुष्टि की है साथ ही छत्तीसगढ़ में नक्सल वाद को खत्म करने के लिए नक्सलियों से मुख्यधारा में जुड़ने की अपील करते हुए सरकार से आमने-सामने बैठकर बात करने की अपील भी की.

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि मैं फिर सभी से अपील करता हूं की नक्सलवाद की इस काली छाया का हल बातचीत से निकला जाए. हम चाहते है कि बस्तर के हर गांव तक विकास पहुंचना चाहिए. उन्होंने आगे कहा कि बंदूक की नली से स्कूल और अस्पताल नहीं बन सकते, इस बात को सबको समझना चाहिए. बस्तर के लोगों को क्यों बंधक बनाकर रखा जा जाए ? इस बात का स्पष्टीकरण होना चाहिए और यह बहुत आवश्यक है. बीजापुर के पीड़िया के जंगल में डीआरजी बीजापुर की टीम और दंतेवाड़ा की टीम और कोबरा बटालियन ने सब मिल कर मुठभेड़ में 10 के आसपास की संख्या में नक्सलियों को मार गिराया। और कोई भी जवान हताहत भी नहीं हुआ है। जवानों को बहुत बहुत बधाई।

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने नक्सलियों से अपील करते हुए कहा कि चाहे एक नक्सली हो, छोटा ग्रुप हो, बड़ा ग्रुप हो सीएम विष्णु देव की सरकार हाथ जोड़ कर उनसे चर्चा करने के लिए तैयार है। डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने कहा कि वे किसी भी माध्यम से, चाहें तो वीडियो कॉल या किसी मिडिएटर के माध्यम से भी बात कर सकते हैं. पुनर्वास की अच्छी व्यवस्थाओं के साथ उनसे आग्रह है कि वे मुख्य धारा में लौटें और समाज के साथ आगे बढ़ें. बस्तर ने शांति हो और विकास हो.

10वीं-12वीं के टॉपर्स से मुख्यमंत्री साय ने की वीडियो काल पर बात, दी बधाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दसवीं-बारहवीं के नतीजे घोषित होने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने दोनों कक्षाओं के टॉपर विद्यार्थियों से सीधे वीडियो काल पर बात कर बधाई दी. बच्चों के लिए अपने मुख्यमंत्री से इस तरह अचानक रुबरू होना बेहद आनंददायक अनुभव रहा। सीएम साय ने बच्चों से उनके भविष्य की योजनाओं के बारे में भी पूछा. अपने मुख्यमंत्री से सीधे वीडियो काल पर जुड़े भावविभोर बच्चों में से किसी ने आईएएस बनने, तो किसी ने चार्टर्ड अकाउंटेंट, तो किसी ने बैंकिंग सेक्टर में जाने की योजनाएं बताई. सीएम साय ने उनकी हर मनोकामना पूरी होने की कामना की और उन्हें लगातार परिश्रम करते रहने को कहा. बच्चों को देश का भविष्य बताते हुए मुख्यमंत्री ने बच्चों सहित उनके अभिभावकों और गुरुजनों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। गौरतलब है कि कल छत्तीसगढ़ में माध्यमिक शिक्षा मंडल ने दसवीं और बारहवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम घोषित किये. जिसमें दसवीं में क्रमशः जशपुर की सिमरन शब्बा, गरियाबंद की होनिशा और जशपुर के ही श्रेयांश यादव टॉप थ्री में रहे. वहीं बारहवीं में क्रमशः महासमुंद की महक अग्रवाल, बलौदाबाजार की कोपल अम्बष्ठ और जशपुर की आयुषी गुप्ता और बलौदाबाजार की प्रीति टॉप थ्री में रहीं. दसवीं का परीक्षा परिणाम 75.61 प्रतिशत और बारहवीं का परीक्षा परिणाम 80.74 प्रतिशत रहा.

भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडे के चुनावी खर्चे में जुड़ेगा पं. धीरेंद्र शास्त्री के कार्यक्रम का खर्च

चुनाव आयोग ने सरोज पांडेय को जारी किया था नोटिस

मनेंद्रगढ़। आचार संहिता के दौरान कोरबा लोकसभा के चिरमिरी में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की हनुमंत कथा का आयोजन किया गया था. इस कार्यक्रम का खर्च कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनावी खर्चे में जुड़ेगा. इसका निर्णय चुनाव आयोग ने कार्यक्रम स्थल की वीडियोग्राफी के आधार पर लिया है। बता दें कि कोरबा लोकसभा के चिरमिरी के लाल बहादुर शास्त्री स्टेडियम गोदरीपारा में 26 अप्रैल को हनुमंत कथा का आयोजन किया गया था. इस कार्यक्रम में पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के साथ प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा भी हेलीकॉप्टर से चिरमिरी पहुंचे थे. हनुमत कथा के समापन के दौरान पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने आयोजकों के नाम का जिक्र करते हुए कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय, प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल का नाम लेते हुए यह कहा था कि आयोजकों के लिए ताली बजाया जाए और वे मंच पर आएं, क्योंकि उन्होंने खर्चा किया है. कार्यक्रम स्थल की वीडियोग्राफी के आधार पर सरोज पांडेय को इस मामले में निर्वाचन आयोग ने नोटिस जारी किया था, जिसका जवाब देते हुए सरोज पांडेय ने कहा कि वे इस कार्यक्रम की आयोजक नहीं थी, न ही कार्यक्रम स्थल पर भाजपा का प्रचार हो रहा था। नोटिस के जवाब में सरोज पांडेय ने जवाब दिया था कि पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री का कोई कार्यक्रम नहीं करवाया था, लेकिन निर्वाचन आयोग द्वारा कार्यक्रम स्थल की करवाई गई वीडियोग्राफी व कांग्रेस की शिकायत के आधार व पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के कबूलनामे के आधार पर निर्वाचन आयोग ने भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय के चुनावी खर्च में कार्यक्रम का खर्च जोड़ने का निर्णय लिया है.

जानिए कितनी है चुनावी खर्च की सीमा

बता दें कि अब तक कोरबा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी सरोज पांडेय की ओर से दिए गए खर्च ब्यौरे के आधार पर 5 मई तक 51 लाख 67 हजार 953 रुपए खर्च किए गए हैं. खर्च सीमा 90 लाख है. 29 लाख 37 हजार 179 रुपये शेष है. अगर धीरेंद्र शास्त्री के हनुमत कथा का खर्च 30 लाख से ऊपर जाता है तो भाजपा प्रत्याशी तय खर्च सीमा से ज्यादा राशि खर्च करने के मामले में फंसती नजर आएंगी, क्योंकि चिरमिरी में पं. धीरेंद्र शास्त्री का कार्यक्रम भव्य तौर पर आयोजित हुआ था. हेलीकॉप्टर से धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री पहुंचे थे. उनके लिए भव्य डोम के अलावा डोम के दोनों ओर पंडाल भी बनाया गया था।

थाने में जाए बिना मकान मालिक दे पाएंगे किराएदारों की जानकारी

एप की पायलट टेस्टिंग में डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने परखी उपयोगिता

रायपुर। मकान मालिकों को अपने किराएदारों की जानकारी साझा करने के लिए थाने में जाकर कागजी कार्रवाई की दिक्कत से निजात दिलाने छत्तीसगढ़ सरकार एप विकसित कर रही है. इस एप के पायलट टेस्टिंग के दौरान स्वयं उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने उपयोगिता परखी।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे इस एप की उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा द्वारा उपयोगिता परखे जाने का वीडियो सोशल मीडिया साइट ङ्क पर उज्जवल दीपक नामक यूजर ने शेयर किया है. उन्होंने बताया कि इस एप में केवल एक सुविधा नहीं बल्कि अनेकों सुविधाएं होंगी. जन सामान्य के लिए समर्पित इस ऐप की पायलट टेस्टिंग के लिए एक जिले में ट्रायल किया गया है. इसके प्रस्तुतिकरण के दौरान मौजूद उप मुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने सॉफ्टवेयर में उपलब्ध डाटा में से एक मोबाइल नंबर डायल कर सत्यापन कर संतुष्टि जताई।

अपना खुद का न्यूज पोर्टल बनवाएं

पूर्ण Registration के साथ

+91 9303890212

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक जितेन्द्र जायसवाल द्वारा जायसवाल प्रिंटिंग प्रेस राघवपुरी, डीगमा, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़ से प्रकाशित एवं मुद्रित। संपादक जितेन्द्र जायसवाल। मो.नं.-09424262547